प्रभु को स्मरण कर रहे है

धन्यवाद, भाई नेविल। भाई नेविल, यहां आकर बहुत आनंदित हूं, और यह—यह सौभाग्य की इन स्वर्गीय स्थानों में आकर, यीशु मसीह में फिर से बैठूँ। और गिनती से मुझे कोई परेशानी नहीं होती, यह सदा मुझे उत्तेजित करता है। आप जानते हैं, जब... मैं थोड़े से लोगों में होता हूं मुझे अधिक घर जैसी अनुभूति होती है, क्योंकि मैं यही जो मैं सोचता हूं की कलीसिया है। जी हां, कहने के लिए, मेरे पास वचन है, "छोटे झंड, मत डर, क्योंकि तेरे—तेरे पिता की यही भली इच्छा है कि तुझे राज्य दे।" और मैं चाहूंगा... यही छोटा झुंड जिसके साथ मैं चाहूंगा कि उस दिन गिना जाऊं, वह जिसने कहा, "डरना नहीं।" और आज रात्रि यहां आने के सौभाग्य के लिए मैं बहुत आनंदित हूं।

2 और मैं बोलने की इच्छा से नहीं आया हूं। अभी कुछ क्षणों पहले कोई था जो दरवाजे पर आया, और जब कि मैं किसी अध्ययन में था, मूल पाठ के लिए कुछ संदर्भों को ले रहा था जिनका मैं आने वाली सभाओं में उपयोग करना चाहता था फिनिक्स और ट्यूसान में से होते हुए। और मैं बस वास्तव में आत्मा में तंग थका हुआ था, आप जानते हैं, परमेश्वर की अच्छी बातें, उस अल्टीमेट के विषय पर याने अंतिम पर और एक विषय *अंतिम*। और मेरी पत्नी आई है और उसने मुझे बताया कि कोई मुझसे मिलने आया है, और मैं—मैं एकदम से तैयार नहीं हुआ, तब कुछ देर बाद, कहा, "क्यों आज रात्रि आप आराधनालय नहीं जा रहे हैं? "

3 और मैंने कहा, "मैं ऐसा सोचता हूं।" और मैंने जाकर उसी आत्मा में रहने का यत्न किया जिसे मैं कर रहा था। और वह वापस आई और कहा कि प्रार्थना करवाने के लिए यह बीमार व्यक्ति आया था। मैंने कहा, "अच्छा तो फिर मैं, जो भी है, आराधनालय जाऊंगा, और बीमार के लिए प्रार्थना करूंगा।" मैं सदा, यही... आप जानते हैं, ये चीजें... जितनी जल्दी सम्भव हो हमें उनके पास पहुंचना चाहिए जब लोग बीमार और आवश्यकता में है। जो भी बीमार है वह जानता है, परमेश्वर की महान चंगाई के सामर्थ के द्वारा चंगा होना इसका क्या अर्थ है इसकी कैसी सराहना की जाती है। और यह बहुत ही अद्भुत चीज है, क्या ही सौभाग्य है।

4 अब अगले आने वाले रविवार को, यदि प्रभु ने चाहा, तो भाई नेविल और उनमें से किसी के पास कुछ विशेष नहीं है, मैंने सोचा की अगले रविवार प्रातः मैं—मैं अपना क्रिसमस का संदेश लोगों के लिए लाऊंगा, क्योंकि उन्हें होने दो—उन्हें होने दो... उनमें से कुछ बहुत दूर से आते हैं, आप जानते हैं, और जैसे कि जॉर्जिया और विभिन्न स्थान, और वे समय से वापस जा पाएंगे कि अपने क्रिसमस की खरीददारी और आदि-आदि करें।

5 और बिली ने बाहर आकर मुझे बताया कहा, मेरी बहन, डिलोर्स, अगले रविवार सांझ को सभा से पहले, बालकों के लिए छोटे—छोटे उपहार लाएगी, एक छोटा कार्यक्रम यहां वे करने जा रहे हैं, आप जानते हैं, क्रिसमस का एक छोटा सा नाटक जिसे कि वे आराधना के आरंभ करने से पहले करना चाहते हैं। और मैंने कहा, "अच्छा, यहां रविवार की सांझ को होगा, क्या नहीं? "

कहा, "जी हां।"

मैंने कहा, "तो फिर यह बीच में बीच में विघ्न नहीं डालेगा।"

6 अब देखिए, अगले मंगलवार को क्रिसमस की सांझ है, तब यदि... या अगले मंगलवार, एक सप्ताह, क्रिसमस का। आप देखिए यह लोगों को बाध्य करेगा, तब क्रिसमस की सांझ को घर वापस जाना है, और सोमवार को, इसलिए मैंने सोचा कि मैं... हां, दो सप्ताह। यह ठीक है, दो सप्ताह ठीक है। इसलिए मैंने सोचा हो सकता है मैं आज रात्रि आऊं और लोग जाने, यदि प्रभु ने चाहा, और भाई नेविल के पास कुछ विशेष नहीं है। जो की, अक्सर मैं चाहता हूं कि अपना बड़े दिन का संदेश कलीसिया को दूं, और अपना ईस्टर का संदेश, और जो भी प्रभु देने के लिए मेरे हृदय में डालें। प्रभु ने चाहा तो, अगले रविवार अगले रविवार प्रातः मैं दूंगा...

7 और कारण की मैं इसे प्रातः लेता हूं बजाए की सांझ के जहां की लोग दूर-दूर से आते हैं, वे अपने घर पहुंच सकने के लिए दोपहर बाद यात्रा कर सकते हैं, आप देखिए। और मैं बजाए इसके की रात्रि में लूं, मैं सोचता हूं कि सांझ और अच्छी है। मुझे—मुझे सांझ की सभा पसंद है, जब सूर्य डूबता है, कुछ और। यह परमेश्वर अदन की वाटिका में, सांझ के ठंडे में आदम के लिए आएगा, और आदम से बातें करेगा। देखा, और मुझे सांझ की सभा पसंद है। परंतु, और यहां जैसी ही स्थितियां है, तो यह अच्छी

होगी जो मेरी आज प्रातः थी, और इस प्रकार से लोग जा सकते हैं।

8 और मैं आभारी हूं की आराधनालय यहां आगे बढ़ाया की अगला स्थान बाहर हमारे लिए यहां है, कुछ और स्थान इसमें बढ़ गया। इस सब के बाद परेशान और विवाद जो भी है, अंत में हमें मिल गया। आप जानते हैं, बूढ़े भाई बोसवर्थ थोड़ा मजाकिया है, कहा, "वह बच्चा जो सबसे ज़ोर से रोता है अधिक ध्यान आकर्षित करता है।" इसलिए सारा झुण्ड ऐसा है, आप जानते हैं, और इसलिए मैं सोचता हूं हमारा चिल्लाना हमें कभी–कभी थोड़ा बहुत लाभ पहुंचता है, क्या आप ऐसा नही सोचते?

9 सो, मैं भाई एन्थोनी और उनके साथियों का उस प्यारे संगीत के लिए टिप्पणी करना चाहता हूं। मैं जैसे ही भीतर आया और यह सुना। और, आप जानते है, वे बाजे बिगुल है। मैं चाहता था कि मेरा कम से कम, एक बालक उन में से एक बिगुल बजाए, मैं—मैं... और वे फूँकने वाले साज।

10 बैकी ने प्यानो आरम्भ किया, परन्तु वह थोड़ी छोटी युवा अवस्था कुछ, आप जानते है, जिसे कि, वह छोड़ना चाहती है। और—और उसने आरंभ किया... शिक्षक ने कहा उन्हें लोकप्रिय संगीत से आरंभ करना पड़ेगा। अब, नहीं, मेरा यह अर्थ नहीं... आप जानते हैं मेरा क्या अर्थ है, मेरा अर्थ संधी प्रस्ताव और आदि–आदि, शास्त्रीय संगीत से, ताकि इससे धार्मिक संगीत पर ले सके। जब वह इसमें ऊंची कक्षा में पहुंचे, तब वह सोचती है, "तब, मैं छोड़ दूंगी।" और मैं—मैं... बालक एक परेशानी होते हैं। और, जो भी है, यह आरंभ से ही परमेश्वर की बुलाहट होनी चाहिए। मैं विश्वास करता हूं उसकी बहन, साराह, जो वहां पीछे है उसे हरा देगी जो भी है, उसने कभी एक पाठ भी नहीं लिया। इसलिए फिर परमेश्वर की बुलाहट अधिक अच्छी है जब इस प्रकार का वरदान हो।

11 परंतु मैं तुरही पसंद करता हूं। मुझे स्मरण है जब वहां उन्होंने यह आराधनालय कोने पर समर्पित किया था, तो बिगुल लगभग आधा दिन बजा, "क्रूस पर जहां मेरा बचाने वाला मरा, वहां मेरे पापों को क्षमा करने के लिए मैं रोया, वहां मेरे ह्रदय पर लहू लगाया गया था," जब मैं अपने प्रसंग हूं वहां कोने के पत्थर में डाल रहा था।

12 और मुझे स्मरण है एक रात्रि ट्रिनिटी मेथाडिस्ट चर्च पर, जब बूढ़े डॉक्टर मॉरीसन... आप में से कुछ लोग जो डॉक्टर मॉरिसन के दिनों में रहे, एक बूढ़ा संत। असबरी ने एक महान व्यक्ति को दिया, जब से असबरी,

जब उन्होंने डॉक्टर मोरीसन को खोया, उसके युग में, एक बूढ़ा भक्त मनुष्य। और मैंने सदा उसे प्रचार करते सुनना पसंद किया। और मैं उसे सुनने के लिए वहां ट्रिनिटी मैथोडिस्ट चर्च में गया। और उस रात्रि, दो लड़के उस छोटी बालकनी से आगे बढे जैसे ही पत्नी और मैं आ रहे थे, और उन्होंने अपनी बिगुले हवा में इस प्रकार उठा रखी थी, और वे सांझ वहां थे, और उन्होंने यह बजाया, "क्रूस पर जहां मेरा बचाने वाला मरा!" और वह बड़ी क्रूस, वहां ऊंचे पर चारों ओर घूम रही है। और मैं सड़क पर खड़ा था और अपने हाथों को हवा में उठा कर गया, वहीं परमेश्वर की प्रशंसा आरंभ कर दी। मैं इसकी सहायता नहीं कर सकता।

13 वहां नया जन्म पाए मसीहों में एक प्रकार की उत्तेजना थी, जब यह धड़कता है, तो वहां कुछ तो होना ही था, वहां के लिए यही था। ओह मैं... पुराने समय के मसीहो जैसे अनुभव जैसा कुछ नहीं है। यह सही है। इसके लिए कुछ नहीं चाहिए, इसके लिए सांसारिक धन की आवश्यकता नहीं है, या सारा संसार, ना ही सारा सौर मंडल और सब, उसके लिए जो यीशु ने मुझे स्वयं सिखाया है।

14 एक निश्चित मनुष्य है जो हर समय हमारे साथ बैठता है, मैं मुड़ कर देखता हूं और मेरा ह्रदय उछलता है। यह वह व्यक्ति है जिसे मैंने उस रात्रि प्रभु भोज लेते हुए देखा था, बैसाखियों पर चल रहा था। क्या किसी ने आपको कभी बताया कि आप ओरल रॉबर्ट जैसे लगते हैं? [भाई कहता है, "ठीक है, भाई, आपने बताया, ठीक जब मैं अभी यहां पर चलकर आया। मैं आपकी प्रतीक्षा कर रहा था कि आप इसे पहचानो।"—सम्पा।] मैं आपको हर बार बताता हूं, मैं... कितने... आप में से कितनों ने ओरल रोबर्ट को देखा है, लगभग आप सभी ने। यदि वह ओरल रोबर्ट जैसा नहीं लगता! मैं बस पीछे मुड़ कर देखा। और मैं—मैं सोचता हूं यह ओरल रोबर्ट से थोड़ा बड़ा है। परंतु देखिए कैसे वह अपने बाल बनाता है, उसका माथा और उसका एक नाक–नक्शा, और सदा एक सम्मानित व्यक्ति जैसा दिखाई पड़ता है, ओरल के समान बैठता है। और इसलिए मैं—मैं सदा सोचता हूं, "भाई ओरल? " बिल्कुल वैसा ही दिखाई पड़ता है।

15 भाई ओरल अब एक प्रकार का बाईबल स्कूल आरंभ कर रहे हैं, मैं विश्वास करता हूं, या कुछ तो। मैंने इस विषय में उस दिन सुना। यह क्या है? [भाई नेविल कहते हैं, "विश्वविद्यालय।"—सम्पा।] विश्वविद्यालय। जी

हां। भाई कार्ल विलियम इस पर उसका एक अंतिम है, एक प्रचारक का, मैं नहीं जानता वह अब क्या है।

16 अब स्मरण रखें, रविवार, प्रभु ने चाहा तो, हम आरंभ करेंगे, मेरा ईस्टर... या क्रिसमस का संदेश। और फिर मैं—मैं आभारी हूं कि आराधनालय आरंभ हो गया है। और फिर मैं आशा करता हूं कि यह केवल गिनती में बढ़ोतरी नहीं है, परंतु यह परमेश्वर के अनुग्रह का अधिक मिलना जो कि परमेश्वर हमारी कलीसिया के लिए प्रदान करेगा, हमारी गतिविधी, हमारी... या गतिविधि नहीं, परंतु हमारी भक्त मंडली जो हम यहां एकत्र हुए हैं। हम इससे प्रेम करते हैं।

17 और—और मैं यह कहना चाहूंगा। कि मैं अधिक समय नहीं लूंगा। परंतु मेरे पास बहुत सी चीज है जो कहनी है, परंतु मैं नहीं कहूंगा क्योंकि यह बहुत समय लगेगा। परंतु मैं यह कहना चाहूंगा, यह कुछ ऐसा है जो मैं नहीं कह सकता। ऐसी बातें हैं (सब समझते हैं) जो आप जानते हैं, यह प्रभु के नाम में है, फिर भी आप इसे नहीं कर सकते। आप देखिए, आपको इसे अपने तक ही सीमित रखना है। समझे? परंतु एक विशेष घटना जो चल रही है और कुछ समय से है, वह घटित होने को है, जिसके लिए मैं सचेत हो गया हूं, पवित्र आत्मा पर ध्यान करते हुए कि यह लोगों के मध्य में इस बिंदु तक घूम रहा है, और वे पृथ्वी की एक बात को नहीं जानते, देखिए, परंतु देखिए पवित्र आत्मा उस स्थिति में चल रहा है। मैं इसे प्रगट करूंगा प्रभु चाहेगा, तो आप किसी उपयुक्त समय में। अब, स्मरण रखें, कि यह दर्शाता है कि परमेश्वर उनके मध्य में है।

18 जैसे कोई, मैं विश्वास करता हूं, हां, भाई ने कुछ क्षणों पहले, भाई नेविल ने कहा, "परमेश्वर हमारे—हमारे बीच में गड़बड़ियों को नहीं गिनता, या उसकी दृष्टी में हमारा दुर्व्यवहार।" वह नबी जो इस्राएल को देखने गया, और वह स्वाभाविक दृष्टि से देख सकता था, कि वहां कैसा गड़बड़ सा था, कैसे उन्होंने गलत किया था उन्हें शापित होना चाहिए था। परंतु वह बिशप विषय मारी हुई चट्टान को देखने में असफल था और पीतल का सांप, देखिए, क्षतिपूर्ति कर रहा था। इसलिए आप देखिए, जब—जब बालाम ने इस्राएल पर दृष्टि की, उसे श्राप देने के लिए कारण दिखाई पड़ा। देखा? समझे? परंतु जब परमेश्वर ने उनको देखा, तो उसने प्रायश्चित देखा। उसने कहा, "तुम लोग एक श्रृंगा हो।" आमीन। "तुम्हारे मार्ग में कौन

विघ्न डालेगा? कितने भक्ति पूर्ण, कितने धार्मिक तेरे तंबू है!" परमेश्वर ने उनको इसी प्रकार से देखा। समझे? ना कि जैसे मनुष्य ने उन्हें देखा ना कि जैसे वो—वो महान सम्मानित लोगों ने उन्हें देखा; परंतु जैसा उसने उन्हें देखा।

19 और, ओह परमेश्वर, यह मेरा भाग हो! यह मेरा भाग हो, क्योंकि स्वयं मुझ में कुछ नहीं है, जिसका मैं दावा कर सकूं। "मेरे हाथों में कुछ नहीं कि मैं लाऊँ, बस साधारणता में तेरी क्रूस की ओर झुका हूं।" देखिए, बस यही हमारे पास है।

20 तो, यह प्रार्थना सभा कि रात है या प्रार्थना सभा कि रात नहीं, परंतु एक प्रकार का सुसमाचार सुनाने वालों का झुंड यहां पर है। हम—हम वचन को रखना चाहते हैं। और संभव है आज रात्रि मैं कुछ मिनटों के लिए बोलना चाहता हूं। आप में से बहुत से जो वचन को खोलना चाहते हैं... अच्छा, क्या आप जानते हैं, विचित्र बात यह ठीक उसी स्थान पर खुला, जो पाठ मैं पढ़ने जा रहा था। जी हां, श्रीमान। विचित्र है। यह पहला कुरिन्थियो, 11वां अध्याय था, और कुछ टिप्पणियां जो मैंने यहां पर लिखी हुई है, यहीं कहीं, जिनके विषय में मैं सोच रहा था, यदि उन्हें अभी पा सका, पहला कुरिन्थियों पर, उसका—उसका—उसका 11वां अध्याय। ये यहां पर है, ठीक यहां। जी हां, श्रीमान।

21 अब, इसके पहले हम वचन पर आए, आईए हम इसके लेखक के पास जाए, देखिए, जो वचन है, ताकि हम उसके अनुग्रह को मांग सके और उसकी आशीषे जबकि हम उसका अध्ययन करते हैं जो वचन है। आईए हम प्रार्थना करें।

22 ओह प्रभु परमेश्वर, दया और अनुग्रह से भरे हुए, जो युग में होते हुए इच्छा कर रहा था, जब मनुष्य ने पाप किया और उस बड़ी खाई को जो तेरे और उसके बीच में आ गई, कोई उसे स्वयं से पार नहीं कर सका। वह पूर्णतः कुल मिला कर, नष्ट था वापस ना सकने की स्थिति में। परंतु परमेश्वर... अनुग्रह से भरा हुआ उसके स्थान पर वह अनुकल्प होने को तैयार था, और उसे वापस ले आया। इसने सबके ह्रदयो को रोमांचित कर दिया था जिन्होंने तुझे कभी भी जाना, प्रभु, कैसे तेरे महान प्रेम और अनुग्रह में तूने एक विकल्प लिया! और जैसे कि हम ने इसे इसमें होते हुए प्रगट किया, प्रभु, यह उस विकल्प पर है जिसका आज रात्रि हमने भरोसा

किया हैं, वह जो मरा हम पापियों के ऐवज में, इस धर्मी ने जिसने अपने ऊपर हमारे अधर्म को लिया। यह वह है जिस पर हम विश्वास करते हैं।

23 अब हम आदरपूर्वक उसके वचन पर आते हैं, आदर में अपने झुके हुए हृदयों और सिरों के साथ और सम्मान में और आभार में। और यहां मांग रहे हैं कि आज रात्रि आप हमें पवित्र आत्मा के द्वारा अनुग्रह देंगे, और हमें देंगे, वह—वह जीवन की रोटी जो कि हमारे बने रहने के लिए आवश्यक है। आप बिल्कुल सही जानते हैं कि हमारी आवश्यकता क्या है, और हम जानते हैं कि तू ने प्रतिज्ञा की है कि यदि हम मांगेंगे तो हम पाएंगे।

24 प्रभु, आज रात्रि हम स्मरण रखेंगे, वे सब जिनके लिए हम जानते हैं कि वे बीमार और आवश्यकता में है, कि परमेश्वर का अनुग्रह उन्हें बहुतायत में दिया जाएगा। और, पिता, हम प्रार्थना करते हैं वे जो गिर गए, कि ये आने वाली छुट्टियां उनके हृदय को स्मरण दिलाएगी, कि जहां वे एक बार थे, और आपकी संगति से बाहर स्थानों में चले गए। परमेश्वर हम प्रार्थना करते हैं कि वे वापस आएंगे (प्रभु, इसे ग्रहण करें), इस भक्त मंडली इस पहलौठे की—की सभा में, वापस आएं कि जहां अनुग्रह और दया हो, वहां वापस लाये और प्रेम, और दीनता और हमारे प्राणों को चंगा कर रहे हैं, हमारे मस्तिष्क और हमारे शरीर। प्रभु, इसे प्रदान करें। आज रात्रि वचन को आशीषित करें। हम सबको मजबूत करें, और हमें अपनी आशीषे दे, जैसे कि हम यह यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

25 अब कुछ क्षणों के लिए मैं आपके ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं, कुरिन्थियो 11वां अध्याय और 23वां, 24वां और 25वां पद।

> *क्योंकि यह बात मुझे प्रभु से पहुंची और मैंने तुम्हें भी पहुंचा दी, कि प्रभु यीशु ने जिस रात में पकड़वाया गया, रोटी ली:*
>
> *और धन्यवाद करके उसे तोड़ी और कहा कि यह लो, और खाओ: यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिए है: मेरे स्मरण के लिए यही किया करो।*
>
> *इसी रीति से अपनी बियारी के पीछे कटोरा भी लिया, और कहा, यह कटोरा मेरे लहू में नई वाचा है: जब कभी पीयो, तो मेरे स्मरण के लिए यही किया करो।*

26 यदि मैं इसे एक छोटा मूल पाठ कहूं तो मैं इसे: *प्रभु को स्मरण कर रहे है* यह उल्लेख करना चाहूंगा। यह रात्रि सा प्रतीत होती है... या एक संदेश

जिसे अंतिम रविवार को प्रचार किया जाना चाहिए, प्रभु के भोज में। परंतु मैं इसका प्रचार थोड़ा भिन्न दृष्टिकोण से करना चाहता हूं कुछ मिनटों के लिए, जबकि हम अपने—अपने विचारों को एकत्र करते हैं, और प्रभु की आराधना में।

27 नि:सन्देह, हम इसे प्रभु के मेज से आरंभ कर सकते हैं, क्योंकि यह अच्छा स्थान है जहां हम सब स्मरण करते हैं। उसकी ही मेज पर प्रभु को स्मरण करना, वास्तव में, मूल पाठ इसका उल्लेख करता है। परंतु, यह पौलुस है, जिसने कहा कि हमें प्याला लेना है और—और पीना है उस—उस लहू को, और वास्तविक रोटी को खाना है, उसके स्मरण में इस बात को स्मरण करने के लिए, कि उसने हमारे लिए क्या किया। और जैसे—जैसे कि तुम यह करते हो, तो आप इसे हर दिन की साधारण बात नहीं बनना चाहते; आप वास्तव में आना चाहते हैं, प्रभु को स्मरण करते हुए। समझे? यह स्मरण करते हैं कि उसका अनुग्रह और दया थी, और केवल वही और यह आपको केवल वह आशा देता है जो आपके पास है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कभी भी क्या करेंगे, वहां कहीं भी ऐसा कुछ भी नहीं है जो वैसे भी नजदीक आ सके जो मसीह ने आपके लिए किया।

28 इस सप्ताह मुझे बहुत ही दुखद अनुभव हुआ, और फिर भी महिमा का, जो मैं इसे स्मरण कर सका, मैं एक भाई को जो कभी हमारे संग यहां बैठा, दफनाया। आप में से बहुत से उस अवसर को जानते हैं। यह हमारा मिलनसार भाई रोजर्स, बस्टी रोजर्स, जैसा कि हम उसे एवरेट कह कर पुकारते थे। और भाई बैक वुड यहां पर है, और भाई सोथमेन, हम एक साथ दफनाने की सभा के लिए गए।

29 और—और मैंने बर्फ में सवारी ली, उसे पुराने स्थान को जहां मैंने उन्हें लगभग पच्चीस वर्षों पहले गाड़ा था। उस समय जब मैंने उन्हें दफनाया था, तब यह गंदे पानी में प्रभु यीशु मसीह के नाम में था। जैसे ही हम उस पुराने परिचित पुल से निकले वहां टोटेंस फोर्ड पर, मैं अपने भाइयों से बात कर रहा था, और कहा, "एक दिन जब एक विशेष नामधारी सेवक ने वहां एक—एक बड़ा तंबू लगाया था, उसने कहा, 'वहां नीचे बैपटिस्ट आराधनालय पर, वह छोटा गलत आधार वाले लोगों को यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा दे रहे हैं,' उसने कहा, 'यदि कोई व्यक्ति जिसने इस प्रकार से बपतिस्मा भी लिया है, उसका हमारे तम्बू के नीचे स्वागत भी

नहीं होगा।'"

30 और उसे समय वहां यहां हुआ कि वहां कुछ बैठे हुए थे जिनका बपतिस्मा प्रभु यीशु के नाम में हुआ था, और यह भाई जॉर्ज राईट्स और उसका परिवार था। वे बस... केवल एक ही चीज जो वे कर सके वह यह कि वापस नहीं गए।

31 इसलिए उस दिन फोर्ड पर, ओह उसने उसकी सभा छोड़ दी और दृष्टि रखते हुए नीचे आ गया, और उसकी भक्त मंडली वहां खड़ी थी। और मैं उस स्थान पर पहुंचा। और वहां उस पहाड़ पर वर्षा हो रही थी, और किचड़ का मैदान धुल गया, यह ब्लू नदी के कुछ सहायक नदियां बहुत ही मटमैली थी। पानी में चला गया कमर की गहराई तक। और मैं... एक ट्रस्टी या बल्कि डिकन ने मुझे बाईबल पकड़ाई, और मैंने वहां से पढ़ा, जहां पतरस ने पेंटीकोस्टल के दिन कहा, "तुम में से प्रत्येक प्रायश्चित करें, और पापों के मोचन के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले, और तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे।"

32 यह वह दिन था कि जॉर्जिया कार्टर वहां थी, अपने हाथों को उठाने का यत्न कर रही थी, लगभग साठ या कुछ पाउंड की थी, नौ वर्ष आठ महीने से बिस्तर पर बिना हिले पड़ी थी। और उसके लोग, और वह कलीसिया जिससे वह संबंधित थी, उन्होंने कहा, यदि कोई हमारी सभा में भी आएगा, तो वे उसे अपनी कलीसिया की संगति में से बाहर कर देंगे। और इस प्रकार से वह वही सांझ थी जब वह एकदम से चंगी हो गई। और तब वह छोटी नाले लड़की के समान बपतिस्मा लेना चाहती थी, जो वहां थी; कि मैंने एक दर्शन देखा था, और आप कहानी जानते हैं, उसके हाथ और टांगे सुकड गई थी; और दर्शन में गया और आत्मा की सामर्थ ने उसके ऊपर हाथ रखे, और वहां खड़ी हो गई, और चंगी हो गई थी। और इस प्रकार से वह उसी से संबंधित थी। तो, यह एक मैथोडिस्ट कलीसिया थी। मैथोडिस्ट सेवक, भाई स्मिथ, उन में से या जो किनारे पर अपनी मंडली के साथ खड़े थे।

33 और मैंने बाईबल वाला बपतिस्मा देना आरंभ कर दिया था, मसीही बपतिस्मा। और उस समय के लगभग मैंने पांच या छह लोगों को बपतिस्मा दिया था, और अचानक से वहां पहाड़ पर, पंक्तियां और क्रमबद्धता टूट गई। और मेथाडिस्ट के लोग अपने अच्छे कपड़ों में नीचे आ गए, कि प्रभु यीशु

के नाम में बपतिस्मा ले। और एक–एक करके, महिलाएं अपने सुंदर रेशमी और गर्मियों की वेशभूषा में उस किचड़ में चलते हुए आई, और अपने मुंह पर के आंसुओं को पोंछ रहे थे, और लिपस्टिक धो रही थी और बाहर आते हुए कि—कि अपने पाप स्वीकार कर—कर रहे थे और—और बपतिस्मा लेने को।

34 और उस झुंड के साथ एक मजबूत, चौड़े कंधे वाला, जी वन कट के बाल, बड़ा चेहरा, कठोर सा दिखने वाला व्यक्ति चलता हुआ अपने सुंदर नील कीमती सूट के साथ आया। उसने कहा, "मैंने भी अपना निर्णय लिया है।" यह बस्टी रोजर्स था, उसको किसी ने कुछ नहीं बताया। वहां मैंने उसे प्रभु यीशु मसीह के नाम में गाड़ा, उसकी अपनी स्वीकृति पर।

35 और पिछले सप्ताह मैंने उसे मिलटाऊन की जमीन के नीचे रखा। और मैंने एक उपदेश दिया: *पुनरुत्थान की सिद्धता।* मैं एक मिशनरी रहा हूं, और विभिन्न देवताओं और तत्वज्ञान को देखा है; और मसीहत के बाहर यही सब कुछ है, यह केवल एक तत्वज्ञान है, कैसे वे *ये, वह* या *कुछ* भी विश्वास करते हैं। परंतु महान रचयिता जिसने सृष्टी को रचा! यदि सृष्टी है तो एक सृष्टिकर्ता को भी होना है। यदि वहां एक सृष्टी है, तो यह सृष्टिकर्ता के द्वारा बनी है। और किसी मनुष्य का कार्य उसे स्वयं को प्रतिबिंबित करता है। वह एक अच्छा बढ़ई है, वह अच्छा कार्य करता है, वह बनाता है। और यदि वह अच्छा मिस्त्री है, वह अच्छा कार्य करता है। आपका कार्य केवल आपको प्रतिबिंबित करता है। और परमेश्वर की सृष्टि परमेश्वर को प्रतिबिंबित करती है। और परमेश्वर ने हर चीज को एक उद्देश्य के लिए बनाया है। और हर चीज जो परमेश्वर वो उद्देश्य को पूरा करती है, जब मरती है, तो उसका पुनरुत्थान है। मुझे एक चीज बताएं। और मैं बहुत सी चीजों में लाया, जैसे फूल और पेड़।

36 और कैसे सूर्य सुबह आता है, एक छोटा बालक उत्पन्न हुआ, यह दुर्बल, इसकी किरणें है। दस बजे के लगभग, यह युवावस्था है। और बारह बजे वह अपनी शक्ति में चमकता है, अपने स्त्रीत्व–या पुरुषत्व की सुंदरता में। और दोपहर के लगभग दो बजे, यह लगभग मेरे जैसा होता है। और फिर लगभग पांच बजे दोपहर बाद, यह दादा के समान होता जाता है, नीचे जा रहा है। और अंत में उसकी किरणें धरती से ठंडी हो जाती है, और वह मर जाती है। क्या यह इसका अंत है? उसने परमेश्वर का उद्देश्य पूरा

किया। इसने वनस्पति जीवन को उगाया जैसे कि वह पृथ्वी के एक से दूसरे छोर को जाती है। सारे पौधे जो वर्षों पहले मर चुके थे, उसने इन्हें उगाया। क्या यह इसका अंत है जब इसने परमेश्वर के उद्देश्य को पूरा किया? वह अगले दिन प्रातः फिर आती है एक नए जीवन के साथ! हर वृक्ष यही करता है, सब कुछ, हर चीज, चांद, सितारे, सूर्य परिवार, हर चीज को प्रतिज्ञा करती है।

37 और यदि एक मनुष्य परमेश्वर के उद्देश्य को पूरा करता है, तो पुनरुत्थान निश्चित है जैसे कोई भी चीज निश्चित है। केवल एक ही चीज आपको करना है, वह है, परमेश्वर बस एक समय की प्रतीक्षा कर रहा है, जैसा की वह अब है।

38 वहां बड़ी पत्तियां जो अभी पेड़ से गिरी है, बल्कि गिर चुकी है। जहां लाल, हरा, नीला, भूरा, सारे विभिन्न रंग की इस धरती की बड़ी छाती पर, जहां परमेश्वर की प्रकृति उसके नीचे मरी हुई पड़ी थी, और परमेश्वर ने अपना गुलदस्ता बोया था। परंतु वह जानता है कब उसने गुलदस्ता लगाया, वसंत में इसका पुनरुत्थान है! संसार को घूम कर अपने गृह पथ में आना है जब तक यह सूर्य के साथ अपनी स्थिति में फिर से ठीक नहीं आ जाती, और यह अंत्येष्टि के फूलों में आएगी।

39 कभी नहीं कहते "यह अंत है," इससे अधिक नहीं कि पत्तियां पेड़ पर भूरी हो जाए, कहते हैं यह अंत है। इसे केवल एक ही चीज करनी है, परमेश्वर के समय चक्र ये तैर कर घूमें जब तक कि परमेश्वर के पुत्र का आने का समय नहीं होता। और हर जीवित प्राणी जो कभी मसीह में मरा फिर से वापस आएगा। उसकी उपस्थिति में, उसे स्मरण करते हुए। ओह, जब मैं अपने मार्ग के अंत में आता हूं, तो मैं उसकी उपस्थिति में मरना चाहता हूं, उसे स्मरण करते हुए, कि वह जीवन और पुनरुत्थान है। वह वही है।

40 तब हम प्रभु की मेज पर आते हैं। प्रभु की मेज, जैसा कि मैंने यहां पहले इसका वर्णन किया, क्या नहीं... हम विश्वास करते हैं जो कि हम कहते हैं "प्रभु भोज" रोटी को खाना है—है। हम गलत—वो—वो गलत रखते हैं... गलत... हम ठीक चीज को गलत रखते हैं। यह रोटी नहीं जो कि महत्वपूर्ण है, यह दाखरस नहीं जो महत्त्व रखता है, यह तो शुद्ध रोटी और दाखरस है। परंतु बात यह है, *प्रभु भोज* का अर्थ "बात करना," और,

उससे बात करने में, उसे स्मरण करना। मैं सोचता हूं कि सभा का यह बहुत ही धन्य समय है। समझे? हमारे जीवन का हर घंटा एक संपर्क होना चाहिए।

41 प्रभु के साथ बात करना रेगिस्तान में मरुस्थल के समान है। यह तालाब के अंदर सोते में के समान है, जहां कि वो—वो यात्री के पास से निकलता है, रुक गए तब एक पानी पीता है जब तक उसकी प्यास नहीं बुझ जाती। यही प्रभु को स्मरण करना है। उसकी मेज के विधि के द्वारा आना, जहां निकलता हुआ यात्री जो—जो इस पृथ्वी पर हमारे संग मिलकर परदेसी है, हम जो उसकी मेज के पास आ सकते हैं, और उसकी आशीषो में से पी सकते हैं और उसके अनुग्रह से और उसके वचन से, उसके वचन के चारों ओर संगति करते हुए, जब तक हमारा प्यासा प्राण संतुष्ट न हो जाए। और तब हम आराधना का स्थान छोड़ते हैं, ताजगी, संतुष्टि के संग; फिर से रेगिस्तान की कठीनाईयों से सामना करने, जीवन के रेगिस्तान की कठीनाईयां। हां, रेगिस्तान में एक मरुस्थल, स्वयं को ताजा कर रहे हैं, जब हम प्यासे हैं, स्वयं को तैयार कर रहे हैं।

42 यह हर उपासक के साथ होना चाहिए। यह सं–... यह हर सच्चे उपासक के साथ है, कि वे एक साथ मिलने कि प्रतीक्षा करते हैं। वहां संगति में कुछ है जो कि—जो कि दिव्य है यह परमेश्वर की आज्ञा है, और यह पवित्र पूज्य है। और धर्मी इसके लिए प्यासे हैं।

43 जैसा कि दाऊद ने कहा, कि "उसका प्राण परमेश्वर के लिए प्यासा है, जैसे हिरनी जल के सोते के लिए।" छोटा घायल हिरनी जिसके एक ओर से जंगली कुत्तों ने मांस नोच लिया, और इसे—इसे उसमें से खींच लिया। और यह खड़ी होती हांफती और इधर–उधर देखती हैं। और उस इंद्री से गंध लेती है, जो परमेश्वर ने इसे दिया है, यह पानी की गंध को मीलों से ले लेती है। और यह अपना छोटा सिर हवा में उठाती है जब इसका जीवन बहते हुए लहू से निकलता है। और यह जानती है, यदि वह कभी उस सोते को पा ले, ताकि वह जीवित रह सके। तो फिर उसे कोई नहीं पकड़ सकता। वह कभी जल तक पहुंच सके, तो वह हर कुत्ते को मूर्ख ठहराएगी जो आप उसके पीछे लगाएं, क्योंकि वह जानता है वह—वह उसने जीवन देने वाला स्रोत पा लिया है।

44 और जब कलीसिया उस स्थान पर आ जाती है, जहां हमारे लिए मसीह

बहुत अर्थ रखता है कि हम उसकी उपस्थिति में आने के लिए प्यास हैं और एक दूसरे के संग यह जीवन देने वाला स्रोत है। आपको कोई भी शैतान पकड़ नहीं सकता। यहां तक कि स्वयं मृत्यु भी वहां पराजित हो गई। ओह, क्या ही आशा है! क्या ही स्थान! हमें ताजगी देता हैं। और, ऐसा करने में, मसीह को स्मरण करना, वही है जिसने हमारे लिए यह सम्भव कर दिया। यह वही था जिसने हमारे लिए यह चीजें कर दी, हमें उसे स्मरण करना रखना चाहिए। क्योंकि, स्मरण के लिए, एक समय हम परदेसी और बिना परमेश्वर के थे, अन्यजाति, गूंगी मूर्तो के द्वारा चलाए गए। परंतु स्मरण रखें, मसीह यहूदियों के लिए नहीं मरा, परंतु आदम की गिरी हुई जाती प्रत्येक प्राणी के लिए, मसीह मरा।

45 जैसे कि हम उसे स्मरण करने के लिए उस प्रभु भोज के—के उद्यम पर आते हैं, इसे—इसे हमें उस समय में याद दिलाना चाहिए जैसे इस्राएल अपनी यात्रा में था इसे हमें पिछले समय को जैसे इस्राएली अपनी यात्रा में थे। स्मरण करना चाहिए, और जब वे अपने कर्तव्य की राह पर आए, मिस्र की राह से अपने छुटकारे, प्रतिज्ञा के देश को, जबकि अपने कर्तव्य पर है, और कर्तव्य के कार्य पर, बिना पानी के। और यह हर ओर स्थान, सूखा दिखाई पड़ा, हर... पहाड़ के नीचे जहां सोते होने चाहिए, वहां कुछ नहीं था। और वे रेगिस्तान में नष्ट हो रहे थे। और तब वहां एक चट्टान प्रकट हुई, कि मूसा ने इस चट्टान को मारा और इसमें से बहुतायत से जल पाया। हर प्यासा मनुष्य, हर प्यासी महिला, बालक, या यहां तक कि हर प्यासा पशु बहुतायत से पानी पी सका।

46 जैसे यूहन्ना 3:16, बाईबल का सुनहरे मूल सूत्र ने कहा, "परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया, कि उसने अपना इकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करें (विश्वास करता है, प्रभु भोज उसे स्मरण करता है) नाश न होगा, परंतु अनंत जीवन पाएगा।" स्मरण करते हुए कि मसीह हमारी चट्टान था जिसे मारा गया था, नाश होते हुए संसार को बचाने को नष्ट होती, अन्यजाति, नष्ट होते यहूदी, एक नष्ट होता हुआ संसार। मसीह ने अपना जीवन बहुतायत से दिया, ताकि हर कोई जो भूखा और प्यासा हो, भविष्यवक्ता ने कहा, "देखो, तुम सोते के पास आओ, और मुझसे बिना रुपए के दूध और शहद खरीदो।" आओ, क्योंकि यह प्रभु भोज है, प्रभु को स्मरण करने के लिए आओ।

47 मैं प्रभु को स्मरण करने के लिए फिर से ताजगी के स्थान पर सोच सकता हूं, उस कुएं में जो *लहैरोई*कहलाया, जिसका हिब्रू भाषा में अर्थ है, "उसका कुआं जो जीवता और मुझे देखता है।" हाजिरा ने गलत समझा, फिर भी कर्तव्य पर थी। गलत समझा, गलत जांचा, और बाहर निकाली गई थी, जाने के लिए कोई स्थान नहीं, उस नष्ट होने वाले बालक के साथ, और बोतल का पानी खर्च हो चुका था। और वह छोटा बालक रो रहा था। केवल एक मां का ह्रदय जान सकेगा पानी के लिए रोना चिल्लाना सुनना इसका क्या अर्थ है, जैसे कि उसकी छोटी जुबान सूज गई थी, और उसके होंठ सूख गए, और उसका बालक हर मिनट में निर्बल हो रहा था। ठीक कर्तव्य पर, बाहर निकाली गई, जाने के लिए कोई स्थान नहीं। उसने बिना अपने आप से कुछ किया था, इतना तक उसने अंतिम बूंद उसके सूखे होठों पर गिरा दी। और जब बोतल सूखी थी, और उसने इसे नीचे रखा और फिर बढ़ी। और छोटा बालक पानी के लिए चिल्ला रहा था, और वहां निर्बल और निर्बल हो गया; और उसका केवल एक बालक।

48 कोई सन्देह नहीं परंतु उसका निर्दोष ह्रदय कैसे रोएंगे, "ओह परमेश्वर, मैंने क्या किया है? मैंने क्या किया है? " और वह बालक को अपनी बाहों में मरते हुए नहीं सह सकती थी, इसलिए उसने उसे झाड़ी के नीचे रख दिया। और वह तीर के टप्पे भर गई, सम्भव: है सौ गज या अधिक, और एक छोटा वृक्ष देखा, उसने वहां घुटने टेक दिए और वह रोने लगी। क्योंकि उसने सोचा, क्यों? यदि उसने वह किया होता जो ठीक था, तो उस पर यह सब कुछ क्यों आ पड़ता? बहुत सी बार हम यह सोचते हैं कि हमारी बीमारी और पीड़ायें, देखिए, परंतु हो सकता है यह सब इसलिए किया गया हो कि अनुग्रह और दया दर्शायी जाए। और जबकि उसने सोचा, उसने एक छोटी धीमा चिल्लाहट सुनी, जैसे कि अंत में वे जल के लिए मूर्छित हो गए।

49 उसने एक आवाज को बोलते हुए सुना और कहा, "तू क्यों रोती है? तू किसलिए रोती है? "

50 उसने दृष्टि उठाई, और उसने देखा कि सोता उछल रहा है। ताजगी का क्या ही सोता है! लहैरोई, मैं इसका उच्चारण गलत कर सकता हूं। बी, दो बार ई, आर–एल–ए–एच–ए–आई–आर–ओ–आई, जिसका अर्थ है, "इसका कुआं जो जीवता और मुझे देखता है! वह जो मर नहीं सकता! मलिकिसिदक! एल शद्दाई! वह जो जीवता और मुझे देखता है, मेरी

आवश्यकताओं को जानता है, उसने मुझे स्मरण रखा। और वहां उसने मुझे याद रखा जैसे मैंने उसे याद किया, और मैं यह जानता हूं कि वह जीवित है, और उसने इस रेगिस्तान में, यह कुआं निकाल दिया।"

51 ओह, इस घड़ी के सदस्य में अब हम इसे कैसे लागू कर सकते हैं, अब आज के दिन, जब कि कलीसियाओं के रेगिस्तान नामधारी, और—और वो—वो—वो सामाजिक सुसमाचार प्रचारक और वो—वो संसार के रिवाज और भीतर घुस आए है, और नामधारी हो गए हैं और टूट गए।

52 और फिर आज रात्रि उनकी दृढ़ता पर सोचते हैं, उसके कुएं पर जो जीवता और मुझे देखता है। एक उपासक का मसीह को स्मरण करने का यही अर्थ होना चाहिए। जी, हां। ओह, उसे गलत समझा गया और बाहर निकाल दिया गया था। जब यीशु पृथ्वी पर था, तो उसने कहा, "मैं जीवन जल हूं, मैं जीवन का जल हूं।"

53 और मैं यहां एक छोटा सा विचार लाना चाहता हूं जो मेरे मस्तिष्क में आया। जब यीशु परीक्षा में था, और किसी चीज के लिए नहीं केवल उपहास के लिए, उसके द्वारा... उसे पिलातूस से हिरोदेस के पास भेजा गया। अब, पिलातूस को यह नहीं करना था, और, आप जानते हैं, जैसे कि उसने अपने हाथों को धोने का यत्न किया। परंतु एक बार आपके हाथ पर, आपको अपना निर्णय लेना है। आप इसे किसी और पर नहीं डाल सकते। यह आप, व्यक्तिगत है। परंतु उसे—उसे हिरोदेस के पास भेजा गया, केवल उसकी कुछ—कुछ हंसी उड़ाने के लिए—के लिए, क्योंकि उसका एक आश्चर्य कर्म करने वाला होने के नाते बहुत नाम था और आदि–आदि, और वह कलीसिया से बाहर निकाला हुआ था। इसलिए पिलातूस स्वयं, उसने सोचा वह उसे हिरोदेस के पास भेजेगा, और हो सकता है पुरानी शिकायतें दूर हो जाए जो उनकी आपस में थी, एक दूसरे के विरोध में।

54 और इस प्रकार से यीशु गलियों और जगह जगहों पर ले गया था जब तक वह उच्च न्यायालय में हिरोदेस से नही मिला। और जब वह हिरोदेस से मिला, तो हिरोदेस के सामने वह सुअवसर था! एक मनुष्य कितना मूर्ख हो सकता है? यदि हिरोदेस केवल यह जान जाता कि जो उसके सामने खड़ा था वह हर इब्रानी भविष्यवक्ता जो होते आए उनका पूरक था, उस चाहत की, दुनिया की प्यास, जो उसके सामने खड़ा था, वह हर बुद्धिमान

और भविष्यवक्ता जो कभी बोले उसका पूरक था। उसको सौभाग्य मिला कि अपने पापी हृदय को अनुग्रह और दया से संतुष्ट कर लेता। वह कितना मूर्ख मनुष्य था!

55 वह फिर भी आज के मनुष्य जितना मूर्ख नहीं था जो ऐसी ही बातों के साथ उपस्थित है क्योंकि हमारे पास दो हज़ार वर्ष उसकी शिक्षा और उसकी दया के अधिक है। परंतु हिरोदेस ने क्या ही एक—एक मूर्खता कि जब वह उसके सामने खड़ा हुआ और उसने कभी भी अनुग्रह दया नहीं मांगी, कभी भी पापों की क्षमा नहीं मांगी। उसने कभी नहीं जाना कि वह खड़ा है... मैं नहीं सोचता कि मनुष्य अनुभव करें कि उसके समक्ष एक ऐसा व्यक्ति खड़ा है। इसे हम एक मिनट के लिए भीतर आने दे। क्योंकि इस मनुष्य के पास कोई ऐसा सामाजिक समाज का महान नाम नहीं है, जो कि विभिन्न संस्थाओं और—और क्लबो, और आदि में स्थान रखता हो, जिनसे कि वह जुड़ा हुआ हो। और उसका ऐसा कोई नाम नहीं था।

56 परंतु जो बाईबल जानते और प्रतिज्ञा को जानते, उन लोगों के मध्य में उसका नाम था। और क्या मैं थोड़ा कठोर चलूं, वे जो अनंत जीवन के लिए ठहराए गए थे, उन्होंने उसे उस घड़ी में पहचाना, वह वहां खड़ा हुआ था।

57 परंतु हिरोदेस ने इसको नहीं सीखा, वह इसे कभी नहीं जान पाया। क्या ही दुःख की बात है। सारी भविष्यवक्ताओं ने जो चार हज़ार वर्षों में बोला, संसार की प्रकार का पूरक उसके सामने खड़ा था। वहां उसकी उपस्थिति में सारी परिपूर्णता खड़ी थी। और जैसा कि मैं इसे फिर से कह सकता हूं, हम सोचेंगे कि वह मूर्ख मनुष्य था क्योंकि उसने मूर्खपने का निर्णय लिया, क्योंकि, ध्यान दें उसने कभी भी उससे दया नहीं मांगी। उसने उससे अपने मनोरंजन के लिए—के लिए कहा। "ओह, मैंने सुना है कि तू एक—एक आश्चर्य कर्म करने वाला है।" उसने बजाए दया के उससे मनोरंजन के लिए कहा।

58 संसार आज ऐसा ही है, हिरोदेस के निर्णय को फिर से प्रकट कर रहे हैं, जब वे देखते हैं कि आश्चर्य कर्म करने वाला मसीह आज वही कार्य कर रहा है जो उसने तब किए थे, उन्हें केवल एक ही चीज की आवश्यकता थी, "मैं तुझे *ऐसा–और–ऐसा* करते देखूं।" आप कहते हैं हिरोदेस जहां वह था, बुरा स्थान था? आज के दिन के मनुष्य के पास खड़े होने के लिए

बहुत ही बुरा स्थान है! हिरोदेस के पास अनुभव के चार हज़ार वर्ष अनुभव के थे, भविष्यवक्ता और ज्ञानी लोग। हमारे पास छह हज़ार वर्ष उच्च शिक्षा के है, जो तब उनके पास थे। निश्चय ही। इस चीज ने क्या किया! ऐसा ही यह आज, वही चीज है!

59 क्या मामला है? हिरोदेस ने कभी भी गंभीरता से नहीं सोचा। वह सोचने के लिए कभी नहीं रुका।

60 और आज के लोगों के साथ यही है। वे इस कुछ महान को देखते हैं, यह उन्हें चौका देता है, परंतु यह अधिक समय तक नहीं रुकते। वे किसी रब्बी को सुनना चाह रहे हैं या धर्मज्ञानी को जो इसकी व्याख्या करके इसे दूर करते हैं। और फिर भी, कैसे जब मैं जेफरसनविले के लिए सोचता हूं: "मैंने कितनी बार तुम्हें चाहा जैसे मुर्गी अपने चूजों को छिपा लेती है, परंतु तुमने ना चाहा। मैंने कितनी बार तुम्हें जमा किया? मैंने कितनी बार चाहा कि इस—इस वाटिका का स्थान बनाऊं जहां सारे राष्ट्र इसमें आए, परंतु तुमने नहीं चाहा।" समझे? समझे?

61 अब, देखिए हिरोदेस को उस दिन में क्या स्मरण करना पड़ेगा? उसका सुंदर अवसर, उसने छोड़ दिया। और वहां कहीं नष्ट हुए हुओं के क्षेत्र में, आज रात्रि, वह याद कर रहा है कि उसने इस विषय में क्या किया। अब बहुत देर हो गई।

62 हमारे साथ ये ना हो। यह हमारा मिलने का समय है। हम मसीह को स्मरण करें, कि वह कल, आज, और सर्वदा एक सा है, इब्रानियो 13:8। तब तक के लिए मत प्रतीक्षा करो, कि वहां ढोंगियों के क्षेत्र में, उस अय्याम में जहां से आप परमेश्वर की उपस्थिति में नहीं जा सकते, और पृथ्वी पर उसका समय समाप्त हो गया, रात्रि के भयानक स्वप्नों में आप स्मरण करेंगे कि आपके पास अवसर था और उसे छोड़ दिया। युवा लोग इस बात पर ध्यान दें। सब इस बात पर ध्यान दें।

63 हिरोदेस ने कभी भी इस पर गंभीरता से नहीं सोचा। उसका एक समय, उसने केवल मनोरंजन के लिए कहा, और कि यीशु किसी प्रकार की चालाकी कर सकता है, टोपी में से खरगोश निकाले, या, आप जानते हैं, या कुछ ऐसा ही। उसने सोचा कि वह हो सकता है, या उसने उसे एक जादूगर के समान समझा। "हमने सुना है कि तू दुष्टता वाली शैतानी कर सकता है। अब मैं तुझे वह शैतानी करते हुए देखुं।"

64 और क्या मैं इसे श्रद्धा के साथ कहूं। परंतु कितनी बार वे कहलाने वाले सेवक आज के, उन्होंने कहा है, "यदि कोई पवित्र आत्मा है, यदि आप उसे पवित्र आत्मा का विश्वास करते हैं जो उन दिनों के आरंभ में था, तो उस पुराने *आदि–आदि* को आप ले यहां, या *यह,* ओह, *यह* मनुष्य वहां है, *यह* महिला यहां है। मैं जाकर उन्हें लाऊंगा। मैं देखूं कि तुम यह करते हो।"

65 क्या वे अनुभव करते हैं कि ये वही आत्मा है (नहीं, वे नहीं करते) इसने यीशु से कहा, "यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो इन पत्थरों को ले और रोटी बना दे। यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो हमें बता कि तेरे सिर पर किसने मारा। यदि तू नबी है, तो हमें बता किसने तुझे मारा," उसके मुंह के चारों ओर चिथड़ा बांधा हुआ। इसके सिर पर मारो, और तब छड़ी दूसरे के हाथ में दे दी, कहा, "हमें बता, यदि तू भविष्यवक्ता है। तो बता किसने तुझे मारा, तो फिर हम तेरा विश्वास करेंगे। हमें बता, यदि तू परमेश्वर का पुत्र है। हम हृदय के सच्चे हैं। यदि तू परमेश्वर का पुत्र है, तो क्रूस से उतर कर नीचे आ जा तो हम विश्वास कर लेंगे कि तू परमेश्वर का पुत्र है।"

66 मैं सोचता हूं कि क्या आज बहुत से लोग, दोनों पुरुष, स्त्रियां, युवा और बूढ़े, उस स्थान पर नहीं खड़े हैं। और किसी दिन आप याद करने जा रहे हैं, कि आप उसकी उपस्थिति में, उसके सोते के पास; और हाथ की सफाई देखना चाही, या चतुराई या कुछ और देखना चाहा, "इस में उसका विश्वास कर लूंगा। मेरी पीठ में कंपकंपाहट या मैं *यह* करूं या *वह,* तो मैं इसका विश्वास करूंगा।" देखिए, कोई सनसनी, साधारण मूर्ति पूजा है! मुझे...

67 आप जानते हैं, एक मामले में यीशु ने कहा, उसने एक प्रश्न पूछा। आज रात्रि मैं कलीसिया से यह पूछना चाहता हूं। यीशु ने कहा, "क्यों? क्यों? तुम मुझे क्यों अपना 'प्रभु,' कहते हो और उन बातों को नहीं करते जिनकी करने की मैंने तुम्हें आज्ञा दी है? तुम मुझे 'प्रभु,' क्यों कर कह सकते हो, और मेरे वचन का पालन नहीं करते? तुम मुझे कैसे 'प्रभु,' कह सकते हो और उन बातों का इन्कार करते हो जो मैंने तुमसे प्रचार करने और सिखाने को कहा है?" यह क्या है? यह क्या करता है? यह इस कारण से है क्योंकि कुछ नामधारी कलीसिया के रीति रिवाज उनके और वचन के मध्य में आड़े आते हैं। और कोई भी चीज जो आपके और परमेश्वर के

मध्य में आती है, एक मूर्तिपूजा है, यह परमेश्वर का स्थान लेता है। तुम क्यों "प्रभु" कहते हो? *प्रभु* का अर्थ "स्वामित्व," प्रभु सम्पत्ती का स्वामी। और यदि परमेश्वर ने मुझे अपना लिया, यदि मैं उसका हूं और एक दिन उसने मुझे फेर लिया जब मैं गलत मार्ग पर चला जा रहा था, और किसी उद्देश्य के लिए मुझे बुलाया, मैं क्या करूं सिवाए उसकी इच्छा को पूरा करूं, जैसे उस पौलुस ने किया। मैं सिवाए उसके वचन को पूरा करने के और क्या कर सकता हूं? "तुम क्यों मुझे 'प्रभु' कहते हो?"

68 मैं यहां किसी व्यक्ति को उसके विषय में कहना चाहता हूं। यहूदा के विषय में क्या है, उसे उसको किसके द्वारा स्मरण करना है? हम प्रभु को स्मरण करने के विषय में बात कर रहे हैं। आज रात्रि यहूदा और, ओह, जब तक वह और नहीं रहता है, इस बात से स्मरण करना होगा कि उसने अपना जन्म अधिकार बेच डाला। उसने यीशु को निजी लाभ के लिए बेच दिया। हम यहूदा की उड़ाते हैं। यहूदा हम कहते कि वह गंदा बुरा व्यक्ति था, वह उपयुक्त नहीं था कोई स्थान नहीं या समाज, वह स्वर्ग के लिए ठीक नहीं था। क्यों? उसने अपने स्वामी को बेच दिया, इसके बाद जब कि उसके पास एक—एक चेला होने का सौभाग्य था, एक चेला होने के लिए, बाईबल की सबसे उत्तम बुलाहट, नबी से उत्तम। उसके पास सौभाग्य था कि एक—एक चेला होता, और अधिकार को अपने निजी लाभ के लिए बेच दिया। और अब उसे स्मरण करना है। वह इस प्रकार से यीशु को स्मरण करता है: व्यक्तिगत लाभ।

69 और मुझे आश्चर्य है कि उसमें से कितने आज रात्रि यदपि प्रचार मंच पर खड़े हैं, जब गायन मंडली का वस्त्र पहने हैं, डिकन के स्थान पर बैठे हैं, या खजांची, ट्रस्टी, या जो भी यह हो सकता है, कलीसिया में उसका स्थान, या प्रचार मंच पर सेवक, और अब भी अपने व्यक्तिगत लोकप्रियता के लिए अपने सुअवसर को बेच रहा है, "डॉक्टर, बिशप *अमूक–अमूक,"* अपने व्यक्तिगत लोकप्रियता, व्यक्तिगत लाभ।

70 एक बार एक व्यक्ति ने मुझसे कहा, "मैं विश्वास करता हूं कि यह सत्य है। परंतु यदि मैंने यह प्रचार किया, तो मैं सड़क पर भीख मांग रहा होऊंगा।"

71 क्या आपको धनी व्यक्ति और लाजर का स्मरण है, उनका अंतिम और उनकी अनन्त स्थिति क्या थी? यदपि एक जो था... भिखारी था,

और दूसरा एक धनी व्यक्ति था परंतु एक दिन दृश्य बदल गया, और दोनों स्मरण कर सकते हैं। सो, आज रात्रि लोग यहूदा के विषय में शोर करते हैं जिसने उसे व्यक्तिगत लाभ के लिए बेच दिया, और आज बहुत से यही चीज कर रहे हैं, उसे व्यक्तिगत लाभ के लिए बेच रहे हैं।

72 उन दिनों के याजक भी इस व्यक्ति को स्मरण करेंगे कि उन्होंने उसके अवसर को बेच दिया, उनको अवसर था, कि उसके दास हो जाते, उसके चेले हो जाते, उसके मत परिवर्तन बन जाते। उन्होंने इसे ईर्ष्या के जहर के लिए बेच दिया। वे उसकी शिक्षा से ईर्ष्या करते थे। क्यों, जब वह केवल बारह वर्ष का था, वह उन्हें किसी भी प्रकार से चकरा सकता था; और यह नहीं पहचाना कि वह मसीहा था। वे उन चीजों को नहीं कर सके जो उसने की थी। और उन्हें भय था कि वे अपने सम्मान को ऊंचे बड़े–बड़े लोगों के बीच में खो देंगे, और उन्होंने अपने अवसर को बेच दिया। वे उसने ही दोषी है जितना हिरोदेस था।

73 और आज की कलीसिया के सदस्य ऐसे ही है। यदि वे अपने उन दिनों की नामधारी कलीसिया और आदि–आदि में विश्वास करते, और अपने—अपने सम्मान के लिए डर रहे थे, उनका सम्मान तो वे आराधनालय से निकल जाते, तो फिर यह क्या था? यह मूर्ति पूजा थी! मूरत मतसार की आराधना कर रहे हैं या कलीसिया की धार्मिकता की मूरत, बजाए जीवित वचन को स्वीकार करते जो कि उनके सामने प्रकट हुआ।

74 और उन्होंने परमेश्वर का वचन देखा। बाईबल ने कहा, "हमने उसे देखा है और उसे छुआ है।" मनुष्य जाति ने व्यावहारिक, जीवते, परमेश्वर के प्रगट हुए वचन पर हाथ रखे; और रिवाज और मतसार उनके मध्य में आ गए, बर्तनों को धोना, इस प्रकार ऐसी गंदगी उनके और जीवित परमेश्वर के मध्य में खड़ी है। जी हां।

75 यह क्या था? उनकी प्रांत धारणा थी। वे उसके साफ–सुथरे सुसमाचार जो वह सिखा रहा था, पिता के शब्द, पूर्ण धारणा से उसके विरोध में थे। वे उससे ईर्ष्या करते थे। वे उसके विषय में पूर्व धारणा रखते थे। और जहां तक उनको स्मरण है, जो कि अब भी नरक में है, वे स्मरण करेंगे, वे उसे इसी प्रकार स्मरण करेंगे। उन्हें उसे इसी प्रकार से ही स्मरण करना होगा।

आप कहते हैं, "ओह, वे फरीसी थे।"

76 एक छोटी महिला जो यहां कलीसिया में आया करती थी। ओह, मैं

समझता हूं आप में से बहुत से उसे जानते हैं, वह यहां मार्ग पर गली में रहती है। वह पिछड़ गई। और हर बार मैं उसको देखता, और मेरे पास भाग कर आई, और अपने हाथ मेरे हाथों में रखती, "भाई बिल, मेरे लिए प्रार्थना करें। और मैं पिछड़ गई हूं।" उसका पति एक... नहीं, मैं सोचता हूं कि वे यही गली में रहते हैं। मैंने उसको आत्मा में देखा, परमेश्वर के आत्मा को उस पर देखा, और उसे नाचते हुए, आनंद करते, और आदि–आदि। वह पिछड़ गई थी। और अभी हाल ही में वह यहां अस्पताल में पड़ी थी, मर रही थी, और उन्होंने सोचा। और उसने मुझसे प्रार्थना करवाने के लिए कहलवा भेजा।

77 वह और उसका पति मेरी पत्नी के लिए बहुत भले थे, जब मेरी पत्नी, एक छोटी, फटे–पुराने कपडे पहने, गंदे चेहरे वाली लड़की थी, तो वे उसके लिए कुछ वस्त्र खरीद कर दिया करते थे या कुछ अब और तब, ताकि विद्यालय जाने में उसकी सहायता हो सके। कोई मतलब नहीं यह कितना छोटा है, आप परमेश्वर के लिए कुछ नहीं कर सकते जब तक कि वह इसे स्मरण ना करें। "तुम मेरे इन छोटे से छोटे के लिए करते हो, तुमने यह मेरे लिए किया है।" और जैसे रोटी पानी के ऊपर, यह वापस आएगा।

78 वहां यह बेचारी, छोटी पिछड़ी महिला, रो रही थी, मेरे हाथ को पकड़े हुए। और वह... मैंने कहा, "अच्छा, बहन, मुझे—मुझे आपके लिए प्रार्थना करना है।"

79 और उसके पलंग से अगले वाले पर एक स्त्री अपने हाथों को सीने पर रखे लेटी, मेरी ओर देख रही थी। और उसका युवा पुत्र लगभग बीस का, उसके पास बैठा था, दिखने में एक आधुनिक रिक्की।

80 इस प्रकार से किसी के नाम को ठेस नहीं पहुंचा रहा हूं यदि किसी का नाम रिक्की हो, परंतु मेरा अर्थ कि यह एक... अपने बीते दिनों में कभी भी ऐसा नाम नहीं सुना। ऐलविस और रिक्की, और ये बस इस युग के नाम है, आप देखते हैं। यदि आपके बालक का यह नाम है, इसके बीच के नाम को पुकारे, ताकि, या एक दे दे।

81 और जब वह इस प्रकार से बैठी थी और देखा, और मैंने अपना सिर झुकाना आरंभ किया, और मैंने उसे देखा वास्तव में दिख रही... उसने कहा, "एक मिनट रुकिए! उस पर्दे को खींच दीजिए!"

82 मैंने कहा, "मैं तो केवल एक महिला के लिए प्रार्थना करने जा रहा था। क्या—क्या आप एक—एक विश्वासी नहीं है? "

83 उसने कहा, "अब मैं आपको बताऊंगी, हम मैथोडिस्ट है, और हम चाहते हैं कि आप पर्दे को खींच दे!"

"हाँ, महोदया," और मैं पर्दा खींच दिया।

84 देखिए, वही बात। आज वही बात है, इतने पूर्वधारण वाले! उसे कैसे मालूम पड़ा कि मैं किस प्रकार का सेवक था? मैंने उस महिला को कभी नहीं देखा था। परंतु हो सकता है उसने किसी को कहते सुना कि मैं बीमारी की चंगाई में विश्वास करता हूं, और उसे इसके विरोध में सिखाया गया होगा। उसका इससे कोई लेना–देना नहीं था, उसने इससे अपने हाथ धो लिए। वह डरी हुई थी कि यह उस पर आ पड़ेगा। डरिए नहीं, चिंता ना किजीए, यह पिलातूस से जो इससे अपने हाथ धो सका, यह उससे अधिक नहीं।

85 अब, यह मैथोडिस्ट लोगों के लिए कोई अशोभनीय नहीं कह रहा हूं; वह बस एक स्त्री थी। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] देखा? यह उसकी एक मनोस्थिति हो सकती है। मैं नहीं सोचता कि सारे मैथोडिस्ट के लोग इस प्रकार के होंगे, क्योंकि मैंने उनमें से बहुत से लोगों के लिए प्रार्थना की है। उन्होंने मुझे अपने लिए प्रार्थना के लिए बुलवाया है, और चिन्ह और आश्चर्यकर्म उनके मध्य में हुए हैं। ये उन कलीसियाओं में वे लोग कभी नहीं; यह तो वह तंत्र जिसके नियंत्रण में वे है, यही है जो करता है। परंतु उनमें से एक प्रकार की थी। यह क्या था? शुद्ध जहरीली ईर्ष्या, शैतान से जकड़ी हुई ईर्ष्या।

86 मैं कुछ कह सकता था। किसी निश्चित सभा में जो एक बार इस नगर में हुई थी, और उन्होंने मुझसे पूछा उन्होंने आपको क्यों नहीं बुलाया। परंतु मैं बस इसलिए बताऊंगा क्योंकि मैं घर में हूं। परंतु, जो भी है, कोई कारण नहीं, यह बस ईर्ष्या थी, यह मतसार है, यह मूर्तिपूजा है। कैसे हम अपनी बाहे हर एक के लिए फैला दे, परंतु जब आप बच गए... यीशु यह करना चाहता है। स्मरण रखिए, एक दिन आपको यह स्मरण करना होगा। आपको यह याद करना पड़ेगा।

87 मुझे अभी एक गवाही याद आई जो कि हाल ही में दी गई। एक सेवक, और वह एक लिफ्ट में जा रहा था, यहाँ हेबर्न इमारत में। और वहां तीन

व्यक्ति इस सेवक के साथ खड़े हुए थे लिफ्ट में—में, और ये लोग नहीं जानते थे कि यह व्यक्ति सेवक है, मैं समझता हूं कि नहीं। और जैसे ही ये ऊपर चले, वे सब आठवीं मंजिल पर रुक गए। और एक व्यक्ति ने चारों ओर सेवक की ओर देखकर, और कहा, "आप जानते हैं क्या? यह स्वर्ग के इतना पास है जितना हम कभी वहां पहुंचेंगे।"

88 "अच्छा," सेवक ने कहा, "मैं—मैं समझता हूं कि आप ठीक है। मैं—मैं समझता हूं कि आप ठीक है, जहां तक कि हम अपनी योग्यता में विश्वास करते हैं, तो यह उतना पास है जितने हम कभी होंगे।" यह ठीक बात है। जब तक आप अपने किए का विश्वास करते हैं, आप वह याद कर रहे हैं जो आपने किया है। और मुझे निश्चय है हम में से अधिकांश जानते हैं कि हमने कुछ भी कुछ नहीं किया है, हम किसी चीज के लिए योग्य नहीं है। कहा, "मैं समझता हूं यदि हम अपनी योग्यता पर विश्वास कर रहे हैं, तो यह उतना ही दूर है, जितना हम कभी हो पाएंगे।" ठीक है, यदि हम विश्वास कर रहे हैं, यह उतना ही दूर है जितना हम पहुंचेंगे।

89 परंतु, ओह, मैं कुछ कहना चाहूंगा। यदि मैं भूल सकूं कि मैं क्या था, और स्मरण रखूं, वह क्या है, यदि मैं यीशु को स्मरण कर सकता हूं, यदि मैं उसे क्रूस पर स्मरण कर सकता हूं, यदि मैं स्मरण कर सकता हूं उसने मेरे लिए क्या किया है, और मैं स्मरण कर सकता हूं कि वह घड़ी जिसमें उसने मेरे पापों को धोया, और मेरी अगुवाई के लिए मुझे पवित्र आत्मा दिया, तो फिर मैं हर चीज से ऊपर उठ गया हूं जो इस पृथ्वी पर है। मैं संसार की हर चीज से ऊपर उठ गया, मसीह यीशु में स्वर्गीय स्थानों में, जहां मैं उसके साथ संगति कर सकता हूं। वहां उसकी उपस्थिति में भूल रहा हूं, कि मैं कभी कुछ था, अपने सारे पापों को भूल रहा हूं और सब कुछ, क्योंकि वे भूल जाने वाले समुद्र में है। अपने सारे बीते समय को भूल रहा हूं और हर चीज को भूल रहा हूं, और इस बात को स्मरण करता हूं कि उसने मुझे अपना बना लिया, अपनी ही मृत्यु के द्वारा। उसने मेरा स्थान लिया। और मैं जिसको नरक छोड़ और कहीं जाने का अधिकार नहीं था, उसने मेरा स्थान लिया और मुझे नरक से ऊपर उठा लिया। वह वहां मेरे लिए गया। और उसने मुझे अपने अनुग्रह कि बहुतायात से ऊपर उठाया, जब तक कि हम परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां ना हो गए, और हम स्वर्गीय स्थानों में मसीह यीशु के संग बैठे हैं, सदा के लिए आनंद और उसे स्मरण कर रहे हैं जो हमें यहां तक सुरक्षित ले आया। और हमारे प्राणों को धड़कता हुआ

विश्वास, हमें उठा रहा है, और अनुग्रह के द्वारा वह मुझे उठा लेगा।

90 और विश्वास कि आंखों से मैं वचन को पूरा होते हुए देखता हूं, "सब जिसे उसने पहले से जाना, उसने बुलाया; वे सब जिन्हें उसने बुलाया, उसने धर्मी ठहराया; और सब जिन्हें धर्मी ठहराया, उसने महिमा दी।" इसलिए विचार में इसके साथ, मैं उन लोगों की सभा में खड़ा होता हूं, जहां परमेश्वर का आत्मा है, और स्वर्गीय स्थानों में मसीह यीशु के साथ बैठने के लिए ऊपर उठाया। उस घड़ी की प्रतीक्षा कर रहा हूं जब मनुष्य जीवन का भ्रष्ट रूप जिसमें मरणहार हृदय की धड़कन है, और जिसे किसी दिन रुकना है, जब यह बदल जाएगा और आत्मा का हृदय दिया गया जो कि ना समाप्त होने वाले समय से भी आगे धड़केगा, बिना बीमारी के, बिना दुःख, बिना बुढ़ापे या कुछ भी।

91 यीशु को स्मरण रखें। जब घर में बर्तन खाली हो, और वहां कोई आटा ना हो, तो यीशु को स्मरण करें। जब डॉक्टर कहता है अब कुछ और नहीं हो सकता, तो यीशु को याद करें। जब शैतान आपकी परीक्षा करें; जैसे कि हम अपना समाप्ति का गीत गाते हैं, "जब परीक्षा हमारे चारों ओर इकट्ठी होती है, तो प्रार्थना में उस पवित्र नाम को ले।"

92 यीशु को स्मरण रखें, स्मरण रखें कि वह फिर से आएगा। वही यीशु जो हमारे पास से उठा लिया गया फिर से उसी प्रकार से वापस आएगा जैसा हमने उसे स्वर्ग जाते हुए देखा। स्मरण रखें, वह अपनो के लिए वापस आएगा।

93 हम प्रार्थना करें। और अपने झुके हुए सिरों के साथ, और यह छोटा टूटा–फूटा संदेश अब भी आपके हृदय में है, क्या आप चाहेंगे कि वह आपको अब स्मरण करें? यदि आप, बस अपने हाथ उठाए, और कुछ विशेष बात के साथ कि, "प्रभु, मुझे स्मरण कर।" जैसा कि कवि ने कहा, "जब आंसू नीचे गिर रहे हो मुझे याद रखना।"

94 हमारे परम पवित्र पिता, हमने अधिकाई में पवित्र आत्मा की उपस्थिति का आनंद लिया है, जैसे कि उसने हमें जीवन का वचन दिखाए, जैसे कि हम उसे गड्ढे को स्मरण करते हैं जिसमें से हम निकाले गए और उस गड्ढे में से लेकर और प्रभु यीशु मसीह के अनुग्रह के द्वारा, परमेश्वर के बालकों में ढाले गये। मैं उसे स्मरण करता हूं, जब डॉक्टर ने मेरे चेहरे को देखा और कहा, "यह थोड़ी और देर है," मैंने यीशु को याद किया। जब मैं वेदी

पर अनुग्रह के लिए रो रहा था, मैंने यीशु को स्मरण किया और मेरा प्राण बोझ से दबा था, मुझे स्मरण है कि उस बोझ ने मुझे छोड़ दिया। यीशु ने मेरा बोझ ले लिया। कुछ महीनों पहले, बेंच पर बैठे हुए बंदूक की दूरबीन में से होते, किसी निशाने पर मारने के लिए देख रहा था, और शैतान ने सोचा होगा, "अब यह मेरा सुअवसर है।" और जब बंदूक फट गई, और नाल और बैंटा और बंदूक का कार्य चारों ओर हो गया, और आग मेरे चारों ओर भड़क गई, और मैंने अपने पैरों पर उठने का यत्न किया और लहू बह रहा था, मुझे स्मरण आया यह यीशु था। जब डॉक्टर, जब उसने देखा कि कोई हानि नहीं हुई, उसने कहा, "मैं केवल एक बात जान सकता हूं, कि प्रभु भी वहां पर बैठा हुआ होगा, अपने दास की रक्षा के लिए, ऐसे धमाके में इसके चिथड़े उड़ जाने चाहिए।" हे परमेश्वर, कैसे हम सब इन बातों को स्मरण करते हैं!

95 हम लहू से भरे हुए सोते के पास आए हैं, जो कि इम्मेनुएल की शिराओ से बहता है। प्रभु, हमें आज रात्रि एक साथ आशीषित करें। आप वो—वो विषय और उद्देश्य को जो हर हृदय के पीछे है जानते हैं जिसने हाथ उठाया हुआ है। आप इच्छा और आवश्यकता को जानते हैं। प्रभु, जैसे कि आपका दास, मैं—मैं उनके साथ आया हूं, और—और यहां अब इस आराधनालय में, विश्वास से, हम बादलों और चांद और सितारों, और उस—उस श्वेत आकाश गंगा के पार जाते हैं, और अब हम परमेश्वर की उपस्थिति में पहुंचते हैं। और मेरे सामने सोने की वेदी फैली हुई है, और उस पर बलिदान रखा है कि हम यीशु को स्मरण करें, जिसने कहा, "पिता से मेरे नाम में कुछ भी मांगो, मैं—मैं वह दूंगा।" प्रभु, हमारा विश्वास असफल ना हो, परंतु हम स्मरण रखें कि हमने जो मांगा हमने पाया, यदि हम इसका विश्वास करें, जैसा कि हम यीशु को स्मरण करते हैं कि वह इसे हमारे लिए सुरक्षित रखने के लिए मरा और इसे निश्चित करने के लिए।

96 प्रभु, हम देखते हैं कि आप हमारे भवन को बढ़ा रहे हैं। यह आप है जिसने यह हमारे लिए किया है, जिसने आराधनालय को बड़ा किया है। और हम जानते हैं कि प्रभु यह आप है, जिसने आरंभ में हमें आराधनालय दिया। हम प्रार्थना करते हैं कि आप इस यत्न को आशीषित करेंगे।

97 प्रभु हम प्रार्थना करते हैं कि हमारा पास्टर, भाई नेविल, आपका नम्र और कृपालु, ईमानदार दास। वह किसी भी योग्यता में सेवा करना चाहता

है, कोई मतलब नहीं यदि वह पीछे की कुर्सी में है या उसे आराधनालय की सफाई करनी हो। जहां भी आपको उसकी आवश्यकता है, वहीं वह उपयोग में आना चाहता है, जहां भी आप बुलाए आपकी सेवा में। परमेश्वर हम प्रार्थना करते हैं कि—कि आप उसे आशीषित करें।

98 परमेश्वर, यह बड़ी परीक्षा जिसमें होकर मैं निकला हूं, और ये ट्रस्टी जो मेरे संग खड़े हुए, और यह कलीसिया जिसने—जिसने मेरे लिए प्रार्थना की, और अंत में जय पाई। हे परमेश्वर, मैं उनके लिए प्रार्थना करता हूं, प्रभु, मैं उनको भी स्मरण करता हूं, और मैं निश्चित हूं कि आप भी करते हैं।

99 और आशीषे जो आपने हमें दी उन्हें स्मरण करता हूं। और हमें आपके वचन स्मरण है, कि आप हमें कभी नहीं छोड़ेंगे ना ही हमें त्यागेंगे। उम्र के बढ़ने का इससे कोई लेना–देना नहीं, आप फिर भी हमें स्मरण रखेंगे, जबकि संसार भी ना रहेगा और समय अनंतता में ओझल हो जाएगा। यह कुछ इस प्रकार से लिखा गया है, "क्या एक मां अपने दूध पीते बालक को भूल सकती है? मैं तुम्हें कभी नहीं भूल सकता। तुम मेरे हाथ कि हथेली में खुदे हुए हो," किलो ने हमारे नाम खोद दिए। प्रभु, हम जानते हैं कि आप हमें स्मरण रखते हैं।

100 और आप सदा हमारे प्रेम के यादों में है, हमारे बचाने वाले, हमारे चंगा करने वाले, हमारे राजा, हमारे प्रेमी, हमारे जीवन, हमारी सूर्य की चमक, हमारे सब कुछ के समान, परमेश्वर का ना चुकने वाला अनुग्रह और प्रेम, हम आदम के परिवार के गिरी हुई मनुष्य जाति के लिए। जैसा कि हम स्वयं को आपको समर्पित करते हैं, आप प्रभु हमें ग्रहण करें, आज रात्रि आराधनालय से जाते हुए यीशु को स्मरण करें। आमीन।

101 क्या आप उसे स्मरण करते हैं? आप उससे प्रेम करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] अब मैं सोचता हूं अपने इस छोटे टूटे हुए संदेश में, हम यह कह सकते हैं। पौलुस ने कहा, "हम जो भी करते हैं, हम आत्मा में करते हैं।" सारी बातों में हमें उसे स्मरण करना चाहिए। जब तक हम उसे स्मरण न कर ले हमें कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए; हम कुछ ना करें, क्योंकि यह तर्क होगा। यदि शत्रु एक ओर चांटा मारे तो हम स्मरण रखें, कि उसने क्या किया, इसके पहले हम पलट कर मारे। हम उसके कार्य को स्मरण रखें। यदि कोई निर्णय लेना है हम एक बार स्मरण करें, कि

हम कौन सा निर्णय सोचते हैं कि वह लेता, तब फिर वह हमारा निर्णय हो। यदि हम जल्दबाजी करते हैं, तो हम स्मरण रखें उसने कभी भी जल्दबाजी नहीं की। समझें? यदि हम अधिक उतावले होते हैं, तो यह याद रखें वह अनंतता में निवास करता है, उसके लिए समय का कुछ अर्थ नहीं है। यह हमारे हृदय की प्रेरणा और उद्देश्य है। हम उसे स्मरण रखें।

102 अब जबकि हम यह गाना उसकी आत्मा की उपस्थिति में गाते हैं, *मैं उससे प्रेम करता हूं*। यदि आप प्रेम में रहते हैं, तो आप परमेश्वर में रहते हैं, क्योंकि परमेश्वर प्रेम है। वे जो परमेश्वर में रहते हैं प्रेम में रहते हैं। समझे? और प्रेम में कोई घृणा नहीं। प्रेम में ईर्ष्या नहीं है। प्रेम फूलता नहीं। प्रेम अनरीति नहीं चलता। प्रेम सदा नम्र, मीठा, क्षमा करने वाला, दयालु होता है। कोई मतलब नहीं दूसरे कितनी कड़वाहट रखते हैं, प्रेम सदा बना रहता है। अनुग्रह का चरम प्रेम। परमेश्वर का हमारे लिए चरम प्रेम है। सारे वरदानों और चीजों समाप्त हो जाएंगे, हमारी भविष्यवाणी, हमारे भाषायें, हमारे अनुवाद, वह सब जो हमने कभी किया था, या जो भी हो, जब प्रेम आता है, तो यह अंतिम होता है। यह सब के ऊपर है, क्योंकि सब असफल होते हैं। यह—यह सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय। यह बंधन का पड़ाव। यह उत्तर का तारा जो नाविक को दिशा में रखता है। यह वह दिशा सूचक है जो हमारा मार्गदर्शन करता है। प्रेम आधारभूत है। जब इसे हम गाते हैं तो स्मरण रखें, "मैं उससे प्रेम करता हूं।"

मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि पहले होकर उसने मुझे प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीदा
उस कलवरी के पेड़ पर।

मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि उसने पहले...

अब स्मरण रखें, "उसने मुझसे प्रेम किया, और अपना पुत्र दिया।"

और मेरे उद्धार को खरीदा
कलवरी के पेड़ पर।

103 अब जबकि हमारी बहन इस गाने के लिए स्वर दे रही है... [भाई ब्रंहम गुनगुनाते है, *मैं उससे प्रेम करता हूं*—सम्पा।] अब हम संगति के मिठास में, जबकि हम मिलकर मसीह में स्वर्गीय स्थानों में बैठे हैं, अब सब अपने

हृदय से सब कुछ निकाल दे। और स्मरण करें, कि परमेश्वर का वचन ऐसा कहता है। मैं उसका दास हूं। वह यहां पर है। फिर एक किसी के साथ हाथ मिलाए, और कहे, "भाई, परमेश्वर आपको आशीष दे।" यदि आपका कोई शत्रु हो, तो उठ कर और उसके पास जाए, "भाई, परमेश्वर आपको आशीष दे," जैसे कि कोरस को हम फिर गाते हैं और एक दूसरे से हाथ मिलाते है। क्या आप अब यह वास्तव में मिठास के साथ, आत्मा में करेंगे।

मैं उससे प्रेम करता हूं, (परमेश्वर आपको आशीष दे,
भाई रॉय।)... उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि... पहले मुझ से प्रेम किया
और मेरे उद्धार को खरीद लिया

... ? ... अब अपने हाथों को ऊपर किए।

मैं उससे प्रेम करता हूं, मैं उससे प्रेम करता हूं
क्योंकि... (यीशु को याद करें!)
और मेरे उद्धार को खरीद लिया
कलवरी के पेड़ पर।

104 अब आइये हम अपने सिरों को झुकाये और इसे गुनगुनाये। यीशु को याद करते हुए!

... पहले मुझसे प्रेम किया।

[भाई ब्रंहम गुनगुनाते हैं।]

105 अब जैसे कि हमारी बहन सुंदर और कोमल स्वर दे रही है, मैं आपसे अपने भले भाई से कहने जा रहा हूं... भाई नेविल आपके पास कहने के लिए कुछ है जो कहना चाहते हैं? तो ठीक है। मैं भाई कोलिन्स जो वहां पीछे है, कहने जा रहा हूं, हमारा ईमानदार छोटा भाई यहां पर है, हमारा साथी, यदि वह हमें प्रार्थना से रवाना करें। जबकि हम अपने सिर झुकाए हुए हैं, भाई कोलिन्स।

62-1209 प्रभु को स्मरण कर रहे है
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

Voice Of God Recordings, India Office
19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam
Chennai 600 034, India
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings
P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org